लखनऊ में महिला सशक्तिकरण के प्रोत्साहन में सीएमएस सीआरएस 90.4 की भूमिका का अध्ययन

विनय कुमार[*] डॉ. रुचिता सुजय चौधरी[**]

[*]शोधार्थी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, ख्वाज़ा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

[**]सहायक प्राचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, ख्वाज़ा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

शोध सार

संचार अभिसरण और नई तकनीक के समकालीन युग में, रेडियो के पारंपरिक साधन को अभी भी लोगों के भविष्य का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक माना जाता है। सीएमएस सीआरएस 90.4 का उद्देश्य ऐसे कार्यक्रम प्रदान करना है जो "इंफोटेनमेंट" पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो है सूचना, शिक्षा और मनोरंजन। चूंकि महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, इसलिए सीएमएस सीआरएस 90.4 के माध्यम से साक्षरता हासिल करना महिलाओं को सशक्त बनाने के पहले कदमों में से एक रहा है, जिसके लिए इसे इस क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ के रूप में शामिल किया गया है। यह सक्षम बनाता है उन्हें समाज में अधिक समान रूप से भाग लेने और खुद को आर्थिक शोषण और उत्पीड़न से मुक्त करने के लिए। *सीएमएस सीआरएस 90.4*, के माध्यम से इंफो एडुटेनमेंट को लक्षित कर के महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा और यहां तक कि व्यावसायिक क्षेत्रों में अपने विचारों को तलाशने और साझा करने का मौका मिला है।

मुख्य शब्द : महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक रेडियो, सूचना-शिक्षा।

1990 से सामुदायिक रेडियो भारत में महिलाओं को सशक्त बना रहा है और परिदृश्य काफी हद तक पिछले वर्षों में बदल गया। पर्याप्त उदाहरण हैं हमारे समाज के भीतर जो सामुदायिक रेडियो की भूमिका को दर्शाता है और कैसे रेडियो ने महिलाओं को अपना खुद का निर्माण करने के लिए तथा हर संगठन के भीतर पहचान और मान्यता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाया है एवं खुद को रोल मॉडल के रूप में दूसरों के लिए एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया है। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के साथ सामुदायिक रेडियो, त्रि-स्तरीय मॉडल पर काम कर रहा है और जनता की सेवा कर रहा है। सामुदायिक रेडियो, जो "समाज के लिए" के मॉडल पर काम करता है समाज और समाज के लोगों द्वारा प्रबंधित किया जाता है जो की समाज की भलाई करता है; उन कार्यक्रमों द्वारा जो आवश्यकताओं, लाभों और उद्देश्यों में मदद करते हैं। रेडियो एक उपयोगी उपकरण है समाज के वंचित वर्ग की आवाज सुनने के लिए। यह अपनी राय व्यक्त करने के लिए एक उत्कृष्ट संभावना भी प्रदान करता है और उन विषयों और मुद्दों पर भी विचार करने को विवश करता है जो मुख्यधारा मीडिया से अछूते रहते हैं।

यह भी देखा गया है कि कई स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), गैर- लाभ संगठन (एनजीओ), सार्वजनिक और निजी निकाय, और सामुदायिक रेडियो एक्सप्रेस का उपयोग करने वाली महिला समूह, अपने बातों एवं कारणों को साझा करके समुदायों को लाभ पहुंचाने का काम करती हैं। इस माध्यम की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है कि लोग स्वेच्छा से खुद को उत्पादन में शामिल करके समुदाय के लाभ के लिए सामग्री डिजाइन करते हैं।

महिलाओं के जीवन में सामुदायिक रेडियो का महत्वपूर्ण स्थान है। यह जीवन स्तर में सुधार के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है,महिलाओं को ऐसे कार्यक्रम प्रदान करके जो उन्हें कौशल, सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक, और देश के भीतर हो रहे राजनीतिक विकास और समाज में बेहतर बनाने में मदद करते हैं।यह उन्हें के बारे में जागरूकता पैदा करने में भी मदद करता है तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार कौशल जैसे विषय में समग्र रूप से उन्हें और साथ ही उनके आसपास के लोगों का जीवन में एक बदलाव लाने में मदद करता है।

चैपमैन व साथी, 2003 में, उत्तरी घाना में किसानों के बीच शोध करके जानकारी साझा करने की आवश्यकता का पता लगाया। निहित रेडियो कार्यक्रमों की सहायता से क्षेत्र ने पाया कि ग्रामीण रेडियो कृषि संबंधित जानकारी साझा करने के लिए एक मूल्यवान उपकरण है। वह आगे कहते हैं कि सीआर में नियोजित भागीदारी संचार दृष्टिकोण सुनने वाले समूहों और किसानों को उनके दैनिक कार्यों में विधियों का उपयोग करने में सहायता करते हैं। शो की लोकप्रियता श्रोताओं द्वारा स्थानीय या मातृ भाषाओं के उपयोग के कारण है।

वाटर्स व साथी द्वारा आयोजित एक अन्य अध्ययन। 2011 में, सामुदायिक रेडियो में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव (एमएससी) प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन का मूल्यांकन किया गया और पाया गया की कैसे गतिविधियों के परिणामस्वरूप इंडोनेशियाई महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

2012 में बाला ने दशकों से एक सार्वजनिक प्रसारक के रूप में सामुदायिक रेडियो के कार्य का आकलन करते हुए दावा किया कि इसने देश के सबसे दूरदराज के हिस्सों में भी लोगों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी के प्रसार में सहायता की है। सामुदायिक रेडियो आंदोलन का महत्व विकास प्रक्रिया में स्थानीय समुदायों की बढ़ती भागीदारी से उपजा है।

निर्मला (2015) ने अपने अध्ययन में महिलाओं के जीवन में समुदाय रेडियो की भूमिका की पड़ताल की। उसके अनुसार,सामुदायिक रेडियो ग्रामीण भारत के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीआर के कार्यक्रम कमी, खेती, लिंग भेदभाव, सुधार, सामाजिक परेशानी, स्वास्थ्य, और स्वच्छता, आदि संबंधित मुद्दों पर केंद्रित हैं।

महिला श्रोताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सामुदायिक रेडियो कार्यक्रम विभिन्न चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा इन कार्यक्रमों की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर हैं। पारिवारिक संपत्ति, संपत्ति और बौद्धिक अधिकारों से संबंधित महिला अधिकार कार्यक्रम रेडियो पर प्रसारित किए जा सकते हैं। महिलाओं का स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता, वित्तीय स्वतंत्रता और पुरुषों के साथ स्थिति में निष्पक्षता सभी को रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं में डाला जा सकता है। रेडियो कार्यक्रम महिलाओं को उनके कानूनी और वैध अधिकारों के साथ-साथ सरकार और अन्य गैर-लाभकारी संगठनों द्वारा उनकी सुरक्षा के लिए किए गए विशेष उपायों और गतिविधियों के बारे में शिक्षित कर सकते हैं। महिलाओं के खिलाफ हिंसा, मातृ अधिकारों और महिलाओं को प्रभावित करने वाले कानून के विभिन्न चरणों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए रेडियो प्रोग्रामिंग को तैयार किया जा सकता है।

भारतीय आबादी दुनिया की सबसे ज्यादा आबादीबाला, जिसमें से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और अपनी आजीविका के लिए पुरुषों पर निर्भर है। वे देश की अनसुनी आवाज हैं। महिलाएं अपने परिवार में बड़ा योगदान देती हैं और मुख्य रूप से घरेलू जिम्मेदारियों के लिए जिम्मेदार होती हैं।

महिला सशक्तिकरण पूरे घर के कल्याण और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। महिलाओं को नए मूल्यों को जोड़कर, उनकी क्षमताओं का विस्तार करके, और अपने परिवार और समाज में प्रमुख योगदान देकर सशक्त बनाया जा सकता है। नतीजतन, एक महिला देश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्हें प्रागैतिहासिक काल में समाज के सदस्य के रूप में माना जाता था, और उन्होंने अपने परिवारों पर कुशलता से शासन किया। महिलाओं को भी सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है।

महिलाओं का सशक्तिकरण

समाज के वैज्ञानिक और तकनीकी घटकों की प्रगति के साथ-साथ महिलाओं की स्थिति विकसित हो रही है। हालांकि, यह नोट किया गया है कि इसी अस्तित्व के भीतर ऐसे क्षेत्र हैं जहां महिलाओं को वर्गीकृत, हाशिए पर रखा गया है, और लैंगिक भेदभाव के आधार पर उनका वर्चस्व है। कई अध्ययनों के अनुसार, देश का समग्र विकास काफी हद तक इस प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी पर निर्भर है। सशक्तिकरण मजबूर असहायता की स्थिति से किसी एक अधिकार की ओर बढ़ने की प्रक्रिया है। यह महिलाओं की अंतर्निहित शक्ति और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। कार्यभार संभालने में यह

सीखना शामिल है कि कैसे एक संसाधनपूर्ण और भावनात्मक तरीके से सामाजिक विकास प्रक्रिया में योगदान करना और जोड़ना है।

सशक्तिकरण प्रक्रिया के परिणामस्वरूप वे अपने आत्म-सम्मान में बढ़ सकते हैं। यह लोगों को अपनी आवाज उठाने और उनके खिलाफ निर्देशित पूर्वाग्रह, शोषण, अन्याय और क्रूरता से लड़ने में सक्षम बनाता है। समाज में एक शक्तिशाली स्थिति वाली महिला सशक्त होती है। सशक्तिकरण को "किसी को शक्तिशाली बनाना, ताकत हासिल करने के लिए कमजोरों की सहायता करना, अपने आत्म-सम्मान को बढ़ाना, किसी के आत्म-आश्वासन की सहायता करना, भेदभाव और प्रभुत्व से निपटने में सक्षम बनाना, और नागरिक अधिकारों के लिए किसी की लड़ाई का समर्थन करना" के रूप में परिभाषित किया गया है।

मलिक और पवाराला, 2007 के अनुसार, सामुदायिक रेडियो स्टेशन लाभ के लिए नहीं हैं बल्कि इसका उद्देश्य ऐसे कार्यक्रम प्रदान करना है जो समुदाय को लाभान्वित करें। मौलिक मानवाधिकारों के हिस्से के रूप में सार्वभौमिक महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को अंततः प्राप्त करने के लिए मीडिया के माध्यम से और मीडिया में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना समाज का धक्का हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व का समर्थन करके और लैंगिक समानता के मुद्दों को कवर करके, मीडिया महिलाओं की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

श्रोता के रूप में महिलाओं के रेडियो के साथ घनिष्ठ संबंध और उनके द्वारा/उनके लिए बनाई गई कार्यक्रम सामग्री दोनों के संदर्भ में, रेडियो को एक महिला माध्यम के रूप में वर्णित किया गया है। उत्पादन कौशल और तकनीकों में महारत हासिल करने के मामले में, कार्यक्रम को परिभाषित करने के लिए मिलकर काम करना, रेडियो एक ऐसा माध्यम है जो महिलाओं के अनुकूल, प्रासंगिक और सुलभ है। और विभिन्न प्रोग्रामिंग प्रारूपों के माध्यम से लोगों को उनकी जानकारी, शिक्षा और मनोरंजन आवश्यकताओं के साथ सहायता करने के लिए अपनी कहानियों को व्यक्त करते है। महिलाओं को रेडियो स्टेशन पर काम करते समय अपने निजी जीवन और दायित्वों को संतुलित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, और वे रेडियो स्टेशन संचालन और संरचनाओं को अधिक महिला-अनुकूल बनाने के लिए समाधान प्रदान करती हैं। लिंग आधारित रेडियो प्रशिक्षण और सामुदायिक विकास का अस्तित्व महत्वपूर्ण है।

हालांकि, अपने शोध में, मैंने महिला सशक्तिकरण, जागरूकता का आकलन करने और लक्षित दर्शकों तक पहुंचने के लिए एक प्रश्नावली और सामग्री विश्लेषण का उपयोग किया। मैंने चार्ट का उपयोग करके परिणाम प्रदर्शित करने का प्रयास किया। इस अध्ययन में मैंने सामुदायिक रेडियो के माध्यम से समकालीन महिला सशक्तिकरण को समझने का प्रयास किया। यह दर्शाता है कि उन परिवर्तनों को कैसे लक्षित किया जाए जो उन्हें प्रभावित करते हैं, जैसे कि सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, घरेलू और मीडिया एक्सपोजर, और उनकी प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछें।

अध्ययन के उद्देश्य

- प्रतिचयन की सहायता से महिला कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता के स्तर का अध्ययन करना।
- प्रतिचयन की सहायता से लक्षित कार्यक्रम की पहुंच का अध्ययन करना।

कार्यात्मक परिभाषाएं

सामुदायिक रेडियो

यह आमतौर पर एक सीमित सीमा, गैर-लाभकारी रेडियो स्टेशन या चैनल है जो किसी निर्धारित क्षेत्र में निवासियों की आवश्यकताओं को उनकी भाषाओं और प्रारूपों में प्रस्तुत करता है जो सबसे उपयुक्त हैं। सीआरएस का उपयोग अभियानों का समर्थन करने के लिए किया जा सकता है। गतिविधियों या घटनाओं के उत्तराधिकार को क्रियाओं या घटनाओं के कार्यक्रम के रूप में संदर्भित किया जाता है।

महिला सशक्तिकरण

यह एक व्यक्तिगत और सामाजिक परिवर्तन है जो महिलाओं को अपने जीवन पर अधिक शक्ति, सार्थक विकल्प और नियंत्रण प्रदान करता है।

लक्षित दर्शक

यह एक पत्रिका, विज्ञापन, या अन्य संदेश के लक्षित दर्शक या पाठक/श्रोता हैं। विपणन और विज्ञापन के दृष्टि में यह एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य बाजार के भीतर उपभोक्ताओं का एक समूह है, जिन्हें विपणन और विज्ञापन में विज्ञापन या संदेश के लक्ष्य या प्राप्तकर्ता के रूप में पहचाना जाता है।

रेडियो प्रसारण

यह बड़े क्षेत्र में फैले श्रोताओं के उद्देश्य से रेडियो तरंगों पर एकतरफा वायरलेस ट्रांसमिशन है। रेडियो नेटवर्क में, प्रसारण सिंडिकेशन या सिमुलकास्ट के माध्यम से एक पारंपरिक रेडियो प्रारूप को प्रसारित करने के लिए स्टेशनों को जोड़ा जा सकता है।

प्रसारण सीमा

एक सामुदायिक रेडियो की प्रसारण सीमा 10 किलोमीटर से 25 किलोमीटर तक होने का अनुमान है।

सीएमएस सीआरएस 90.4 लखनऊ

सीएमएस सीआरएस 90.4 ने लखनऊ के गोमती नगर में सिटी मोंटेसरी स्कूल (सीएमएस) परिसर में 1 जुलाई 2005 को परिचालन शुरू किया था। तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन और विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने सीएमएस रेडियो स्टेशन का उद्घाटन किया और कानपुर रोड शाखा के सीएमएस कॉलेज में एक अन्य सीएमएस सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन, तत्कालीन केंद्रीय सूचना और सूचना मंत्री श्री जयपाल रेड्डी के अलावा किसी और ने नहीं किया। सुबह 7:00 से रात 11:00 बजे तक, सीएमएस सीआरएस 90.4 पूरे 16 घंटों तक प्रतिदिन कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। कार्यक्रम सामग्री पर सहयोग करने में सीएमएस सामुदायिक रेडियो कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ जुड़ा हुआ है।

इसके अलावा यह शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, भाषा, पर्यावरण और स्थानीय मामलों जैसे क्षेत्रों में कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में योगदान देता है। यह स्टेशन लोक धुनों, क्षेत्रीय संगीत और रेडियो श्रोताओं के लिए अन्य गतिविधियों को जानकारी और मनोरंजन के मिश्रण से समृद्ध करता है। समुदाय के श्रोतागण प्रोग्रामिंग की योजना बनाने में मदद करते हैं और यहां तक कि विभिन्न शो के लिए रेडियो जॉकी के रूप में भी काम करते हैं।

अनुसंधान क्रियाविधि

अनुसंधान क्रियाविधि वास्तविकता को प्रकट करने, तीव्र करने और कल्पना करने की प्रक्रिया है। इसका मौलिक लक्ष्य किसी शोध कार्य की रणनीति और शोध डिजाइन तैयार करना है जो समस्या को हल करने के लिए सबसे उपयुक्त है।

अनुसंधान डिजाइन

इस अध्ययन का चरित्र समन्वेशी है, क्योंकि यह सीएमएस सामुदायिक रेडियो की भूमिका का आकलन करना चाहता है कि सीएमएस महिला सशक्तिकरण के मुद्दों को संबोधित करने और महिला श्रोताओं की जरूरतों को पूरा करने वाले कार्यक्रमों को विकसित करने में सहयोगी है। अध्ययन भविष्य के अनुसंधान के लिए संदर्भ प्रदान करने का एक प्रयास है।

तथ्य संरचना

सूचना के प्राथमिक और द्वितीयक दोनों स्रोतों का उपयोग करके शोध किया गया है। प्राथमिक स्रोत से तथ्यों को एक संरचित प्रश्नावली और सीएमएस सीआरएस 90.4 के सीनियर कार्यक्रम निर्माता के साथ साक्षात्कार के माध्यम से एकत्र

किये गए हैं। सामग्री का द्वितीयक स्रोत पिछले सामुदायिक रेडियो अध्ययनों के साथ-साथ शोध पत्रिकाओं, पुस्तकों, समाचार पत्रों की कहानियों और वेबसाइटों के कागजात से आता है।

कार्य क्षेत्र और प्रतिचयन

यह अध्ययन एक शहर-आधारित केस स्टडी है, जिसमें लखनऊ को कार्य क्षेत्र के रूप में चुना गया है। लखनऊ स्थित सीएमएस सीआरएस 90.4 के श्रोताओं को प्रतिचयन के किया चिंहित किया गया है।

प्रतिचयन की संख्या

चूंकि यह एक प्रतिनिधि/पायलट अध्ययन है, इस अध्ययन के लिए प्रतिचयन आकार 45 श्रोताओं का है। जिसमें से 13 पुरुष और 32 महिलाएं थीं। केवल 45 प्रतिभागी ही गुणवत्ता परीक्षा को पूरा करने में सक्षम रहे, जिसका अर्थ है कि उन्होंने हर प्रश्न का उत्तर दिया।

अध्ययन की अवधि

अध्ययन एक महीने (जून-जुलाई) तक चला जिसके तहत तथ्य संकलन को प्राथमिक तथ्य संकलन प्रणाली के द्वारा एकत्र करने के तरीकों जैसे प्रश्नावली और साक्षात्कार का उपयोग करके एकत्र किया गया है।

तथ्य विश्लेषण और व्याख्या

सीएमएस सीआरएस 90.4 के *सीनियर कार्यक्रम निर्माता श्री रविन्द्र त्रिपाठी* के साथ साक्षात्कार

सीएमएस सीआरएस 90.4 कई उपयोगी और संवादात्मक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है ताकि समुदाय के सदस्यों को उनके स्वास्थ्य और उनके दैनिक जीवन में आने वाली अन्य समस्याओं के बारे में पर्याप्त जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के निर्माण में समुदाय के सदस्यों की भागीदारी पर विशेष बल दिया जाता है। सीएमएस रेडियो द्वारा किए गए कार्यों को सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में मान्यता दी गई है।

प्रश्न 1. सीएमएस सीआरएस 90.4 की यूएसपी (यूनीक सेलिंग प्वाइंट) क्या है?

सीएमएस सीआरएस 90.4 एक स्थानीय स्टेशन है। गांव, छोटे शहर और शहर आमतौर पर सीआरएस से प्रभावित होते हैं। सीएमएस सीआरएस 90.4 की यूएसपी यह है कि यह लोगों की आवाज़ बनाता है। यह आम लोगों द्वारा आम लोगों के लिए चलाया जाता है।

प्रश्न 2. आपको विभिन्न विषयों के लिए अपने विचार कहां से मिलते हैं? इसके पीछे क्या तर्क है?

यह प्रेरणा या दर्शन के बारे में नहीं है, और सभी सामुदायिक रेडियो स्टेशन समुदाय की भलाई के लिए काम करते हैं। नतीजतन, हम समुदाय के विकास, सामाजिक कारणों और साक्षरता में सुधार के लिए प्रयास करते हैं। सामुदायिक रेडियो का मूल आदर्श वाक्य "इन्फो एड्यूटेनमेंट" है, जो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को जोड़ती है। इसलिए हम साहित्य को बढ़ावा देने, संगीत को बढ़ावा देने, स्थानीय प्रतिभा को बढ़ावा देने और सामाजिक-सार्वजनिक मुद्दों जैसे स्वच्छता, स्वच्छता, टीकाकरण, हाथ धोने और दहेज प्रथा, बाल श्रम जैसी सामाजिक समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए काम करते हैं। कुल मिलाकर, हम कम भाग्यशाली लोगों के लिए सामाजिक मुद्दों, पर्यावरण, स्वास्थ्य कठिनाइयों और सामुदायिक विकास के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं।

प्रश्न 3. क्या कार्यक्रमों की पटकथा या जिन विषयों पर चर्चा की जाती है, उसका कोई कारण है?

"सेहत की बात डॉक्टर के साथ" जैसे विषयों पर आधारित कई कार्यक्रम हैं, जिसमें हम स्वास्थ्य सम्बन्धी हर मुद्दे पर चर्चा करते हैं, जैसे कि इलाज, सावधानियां, रोग, ध्यान, योग, मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य आदि। "संवारे धरा निखारे पर्यावरण" कार्यक्रम जिसमें हम प्रदूषण से संबंधित सभी मुद्दों पर चर्चा करते हैं। ऐसे कार्यक्रम हैं जो सामाजिक सुधार व परिवर्तन को बढ़ावा देते हैं, जैसे "मेरी आवाज़ मेरी पहचान"," "एक अनोखी उड़ान" और "एक मुलाकत", जो स्थानीय

प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए है, जिसमें हम स्थानीय श्रोताओं को स्टूडियो में आमंत्रित करते हैं और उनका साक्षात्कार करते हैं, वह कार्यक्रम निर्माण में सहायता करते हैं, हम उनकी क्षमताओं को विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रश्न4. आप सीएमएस सीआरएस 90.4 की लिसनर्शिप को किस प्रकार से परिभाषित करेंगे?

सामान्तः सामुदायिक रेडियो की प्रसारण सीमा 10-15 किलोमीटर होती है। यदि ऊंची इमारतों जैसी कोई बाधा नहीं आये, तो प्रसारण सीमा 15 किलोमीटर से अधिक हो सकती है। प्रसारण क्षेत्र के आधार पर श्रोताओं की संख्या निर्धारित करती है। हम गोमती नगर व कानपूर रोड हैं और हमारी प्रसारण सीमा 15 किलोमीटर है। हालांकि श्रोताओं का मूल्यांकन करने का कोई विशेष तरीका नहीं है, हमें ऐसे व्यक्तियों से ईमेल और फोन कॉल प्राप्त होते हैं जो हमारे शो, सामग्री, संगीत और यहां तक कि आरजे की प्रशंसा करते हैं।

उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया की व्याख्या

प्रश्न 1. क्या आपके पास रेडियो है?

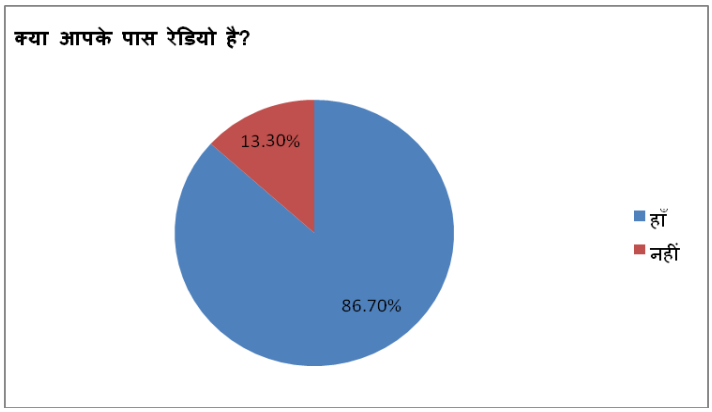

86.7% उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके पास एक रेडियो सेट है। 13.3% उत्तरदाताओं ने उत्तर दिया कि उनके पास रेडियो सेट नहीं है।

प्रश्न 2. आप कितनी बार सीएमएस सीआरएस 90.4 सुनते हैं?

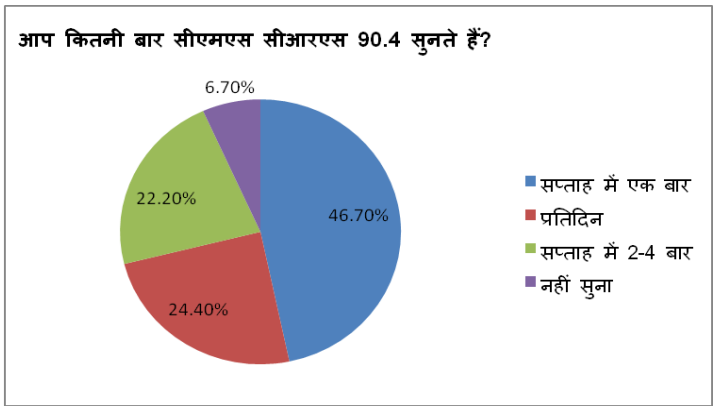

सीएमएस सीआरएस 90.4 को 46.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा सप्ताह में एक बार सुना जाता है। 24.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा रोज़ सुना जाता है। वहीं 22.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा सप्ताह में 2-4 बार सुना जाता है और 6.7 प्रतिशत ने कभी सीएमएस सीआरएस नहीं सुना।

प्रश्न 3. सीएमएस सीआरएस 90.4 को आप कितने घंटे सुनते हैं?

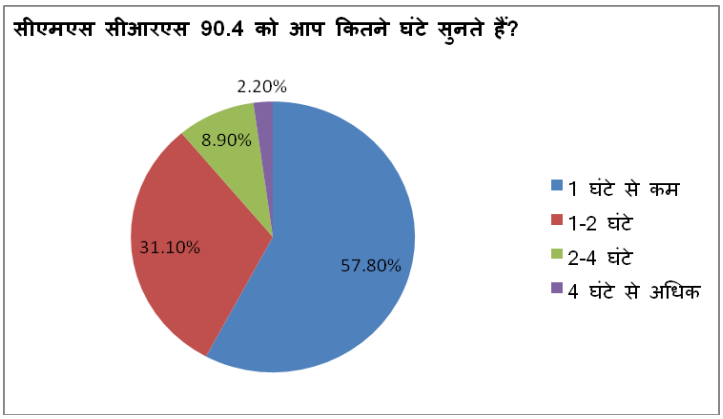

उत्तरदाताओं में से 57.8% ने कहा कि वे एक घंटे से भी कम समय के लिए सीएमएस सीआरएस 90.4 सुनते हैं। 31.1 प्रतिशत उत्तरदाता सीएमएस सीआरएस 90.4 को 1-2 घंटे से कम समय तक सुनते हैं। 8.9% उत्तरदाता प्रत्येक सप्ताह 2-4 घंटे से कम समय के लिए सीएमएस सीआरएस 90.4 सुनते हैं और 2.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा सीएमएस सीआरएस 90.4 को 4 घंटे से अधिक समय तक सुना जाता है।

प्रश्न 4. आप किस प्रकार के कार्यक्रम सुनते हैं?

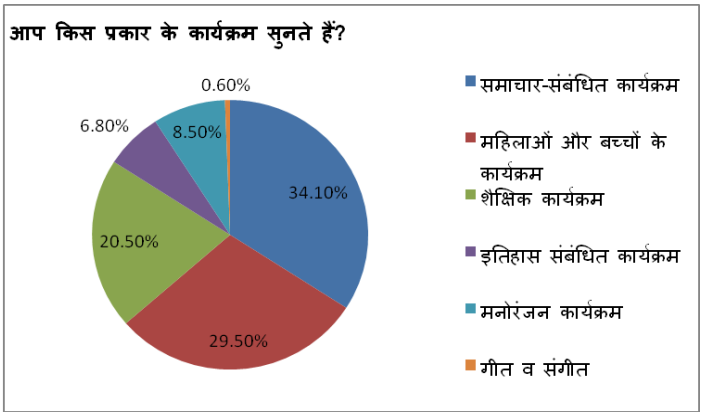

उत्तरदाताओं में से 34.1 प्रतिशत समाचार-संबंधित कार्यक्रम सुनते हैं। महिलाओं और बच्चों के कार्यक्रमों को 29.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा सुना जाता है। 20.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे शैक्षिक प्रोग्राम सुनते हैं। 6.8% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे इतिहास संबंधित कार्यक्रम सुनते हैं और 8.5 प्रतिशत मनोरंजन प्रोग्राम सुनते हैं।

प्रश्न 5. आपको सीएमएस सीआरएस 90.4 के बारे में कैसे पता चला?

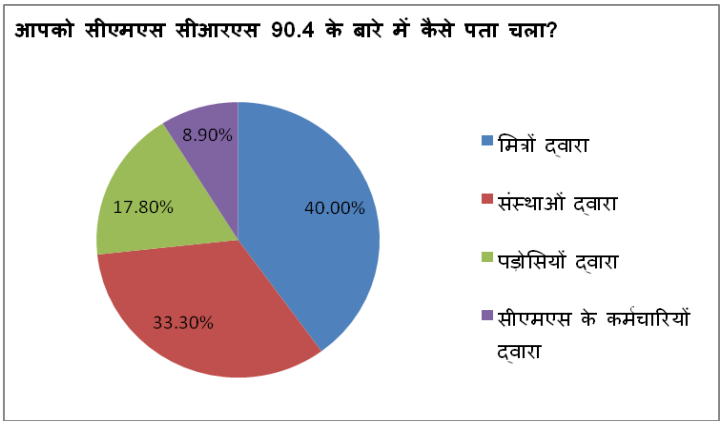

मित्रों ने 40 प्रतिशत उत्तरदाताओं को सीएमएस सीआरएस 90.4 से परिचित कराया। संस्थाओं ने 33.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं को सीएमएस सीआरएस 90.4 के बारे में सूचित किया। सीएमएस सीआरएस 90.4 को 17.8% उत्तरदाताओं को उनके पड़ोसियों के माध्यम से पता चला था। सीएमएस के कर्मचारियों के माध्यम से 8.9% उत्तरदाताओं को सीएमएस सीआरएस के बारे में पता चला था।

प्रश्न6. आप अपने क्षेत्र के अन्य रेडियो स्टेशनों की अपेक्षा में इस स्टेशन को क्यों पसंद करते हैं?

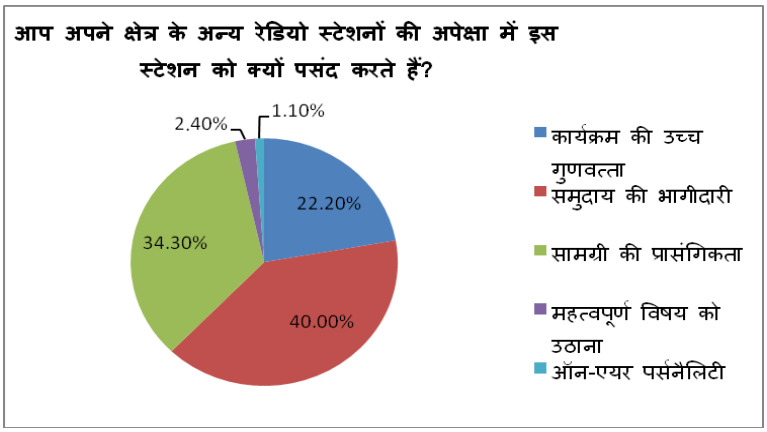

प्रोग्रामिंग की उच्च गुणवत्ता के कारण 22.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस चैनल को चुना। समुदाय के साथ इसकी भागीदारी के कारण सीएमएस सीआरएस 90.4 को उत्तरदाताओं के 40% द्वारा पसंद किया जाता है। सामग्री की प्रासंगिकता के कारण 34.3% उत्तरदाताओं ने इस स्टेशन का समर्थन बताया। किसी महत्वपूर्ण विषय को उठाने के कारण 2.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस स्टेशन को चुना। ऑन-एयर पर्सनैलिटी के कारण 1.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस स्टेशन को सराहा है।

प्रश्न7. क्या महिला सशक्तिकरण में सीएमएस सीआरएस 90.4 एक आवश्यक भूमिका निभाता है?

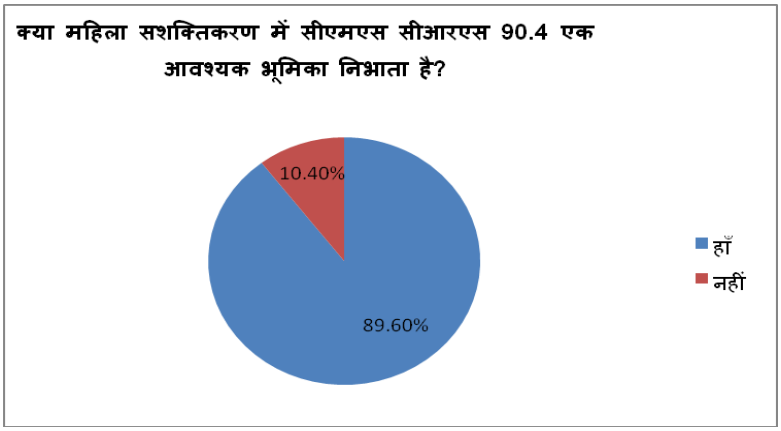

हाँ, 89.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार सीएमएस सीआरएस 90.4 महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं 10.4% उत्तरदाताओं के अनुसार सीएमएस सीआरएस महिला सशक्तिकरण में एक प्रमुख भूमिका नहीं निभाता है।

प्रश्न 8. यदि आप सीएमएस सीआरएस 90.4 नहीं सुनते हैं, तो क्यों?

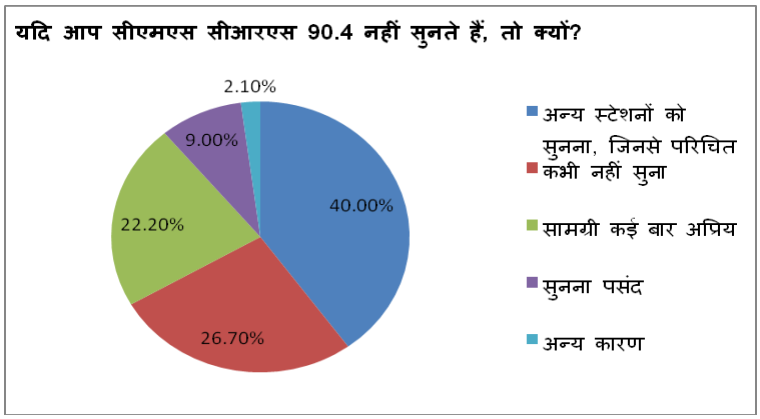

प्रतिभाग करने वालों में से 40% ने कहा कि वे अन्य स्टेशनों को सुनना पसंद करते हैं जिनसे वे परिचित हैं। 26.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने सीएमएस सीआरएस 90.4 के बारे में कभी नहीं सुना। 22.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि सामग्री कई बार अप्रिय हो सकती है। मतदान करने वालों में से 9 प्रतिशत ने कहा कि वे सीएमएस सीआरएस 90.4 सुनना पसंद करते हैं।

प्रश्न 9. क्या महिला श्रोता अपने सरोकार के कार्यक्रमों से अवगत हैं?

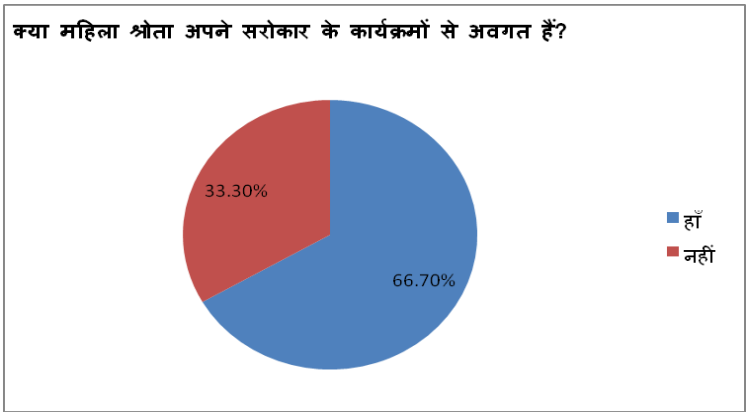

उत्तरदाताओं में से 66.7 प्रतिशत ने कहा कि वे उन कार्यक्रमों से अवगत हैं जो उनके लिए निर्मित किये गए हैं। उत्तरदाताओं में से 33.3 प्रतिशत ने दावा किया कि वे उन कार्यक्रमों से अनजान थी जिनमें उनकी रुचि थी।

प्रश्न 10. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सीएमएस सीआरएस 90.4 से महिलाओं को अधिक एक्सपोजर मिला है?

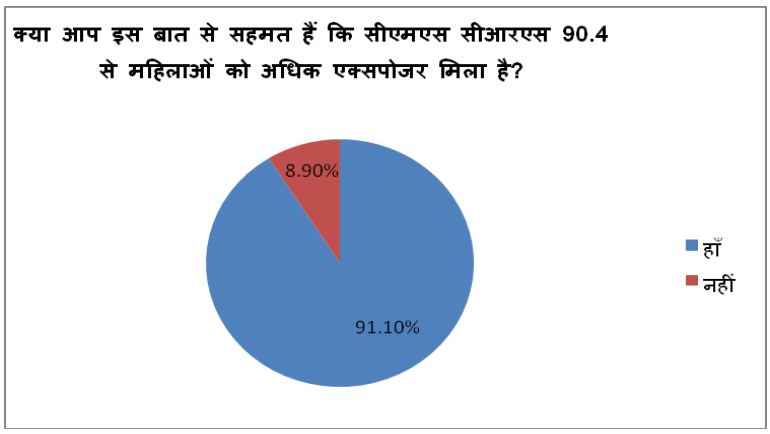

91.1% उत्तरदाताओं ने सहमति व्यक्त की कि सीएमएस सीआरएस 90.4 के साथ महिलाओं को अधिक एक्सपोजर मिला है। 8.9% उत्तरदाताओं ने यह स्वीकार नहीं किया कि सीएमएस सीआरएस 90.4 के साथ महिलाओं को अधिक एक्सपोजर मिला है।

प्रश्न 11. क्या सीएमएस सीआरएस 90.4 के कार्यक्रम महिला श्रोताओं तक पहुंच रहे हैं?

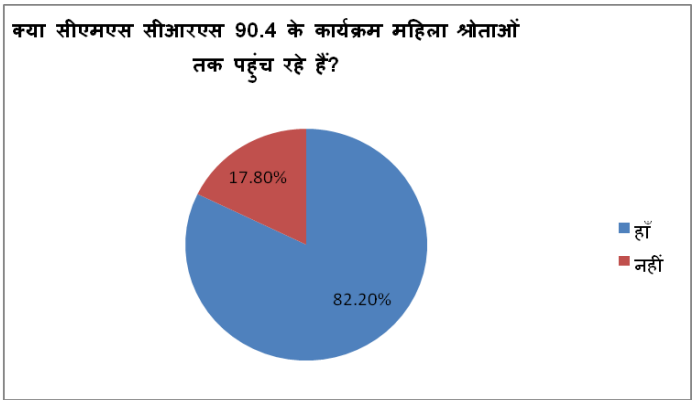

82.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार, शो महिला दर्शकों तक पहुंच रहे हैं। 17.8% उत्तरदाताओं को नहीं लगता कि प्रदर्शन महिला दर्शकों तक पहुंच रहे।

प्रश्न 12. क्या आपको लगता है कि सीएमएस सीआरएस 90.4 की सामग्री उचित है?

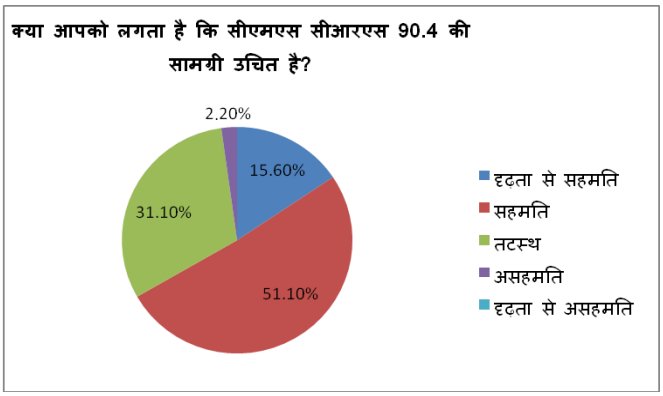

51.1% उत्तरदाताओं ने सहमति व्यक्त की कि सामग्री उचित है। 31.1% उत्तरदाताओं की तटस्थ प्रतिक्रिया थी कि सामग्री उचित है। 15.6% उत्तरदाताओं ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की कि सामग्री उचित है। 2.2% उत्तरदाताओं ने इस बात से असहमति जताई कि सामग्री की व्याख्या की गई है।

प्रश्न 13. क्या आपके क्षेत्र में सीएमएस सीआरएस 90.4 सहभागी और संचारी है?

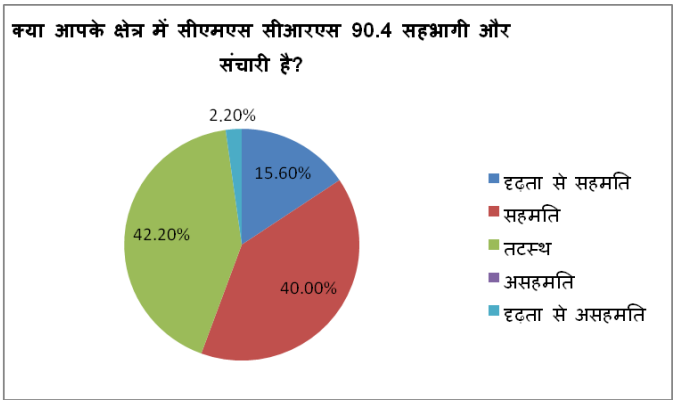

42.2% उत्तरदाताओं की तटस्थ प्रतिक्रिया थी कि सीएमएस सीआरएस स्थानीयता में सहभागी और संचारी है। उत्तरदाताओं का 40% सहमत हैं। 15.6% उत्तरदाताओं ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की कि इस क्षेत्र में सीएमएस सीआरएस 90.4 सहभागी और संचारी है। 2.2% उत्तरदाताओं ने दृढ़ता से असहमत है।

निष्कर्ष और सुझाव

यह व्यापक रूप से माना जाता है कि सभी रेडियो श्रोता कुछ स्तर तक कम हो गए हैं, और लोगों की रेडियो सुनने की प्राथमिकता नाटकीय रूप से बदल गई है। भले ही साधन रेडियो सेट से मोबाइल फोन और अधिक तकनीकी रूप से उन्नत उपकरणों में बदल गए हों, लोग यात्रा, सवारी या काम करते समय रेडियो सुनते हैं। शोध के अनुसार, उत्तरदाताओं का एक बड़ा प्रतिशत नियमित रूप से रेडियो सुनता है। जब हमने उत्तरदाताओं के लिंग को देखा, तो हमें इसी तरह के परिणाम मिले। आंकड़ों के अनुसार, अधिकांश उत्तरदाता समाचार सुनना पसंद करते हैं, जबकि एक छोटा प्रतिशत संगीत और इतिहास से संबंधित कार्यक्रमों का चयन करता है।

शोध के अनुसार, केवल 3% उत्तरदाताओं ने इतिहास और संगीत कार्यक्रम, 20% शैक्षिक सामग्री, 29% बच्चों और महिलाओं के कार्यक्रमों और 34% समाचारों को सुनना पसंद करते हैं। यह दर्शाता है कि व्यक्ति संचार के इस माध्यम का उपयोग मनोरंजन के बजाय सूचना और शिक्षा के लिए करना पसंद करते हैं। यह माना जाता है कि मीडिया जनता को पढ़ाने, ज्ञानवर्धक, मनोरंजक और सूचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, हालाँकि जिस माध्यम से वह प्रसारित किया जाता है वह भिन्न हो सकता है। उत्तरदाताओं के एक बड़े प्रतिशत का मानना है कि सीएमएस सीआरएस 90.4 ने महिलाओं को अधिक प्रोत्साहित किया है। जब हमने उत्तरदाताओं के लिंग को देखा, तो हमें इसी तरह के परिणाम मिले। सभी खंड, विज्ञापन और कार्यक्रम उचित थे, जैसा कि कार्यक्रम की सामग्री थी।

रेडियो स्टेशन के प्रोग्रामिंग डिवीजन को लोगों को स्टेशन और पॉडकास्ट की सामग्री या कार्यक्रमों के बारे में जागरूक करने के लिए नवीन विचारों के बारे में सोचना चाहिए, क्योंकि अधिकांश उत्तरदाता युवा हैं, उन्हें कार्यक्रमों और प्रोग्रामिंग के प्रकारों में विविधता की आवश्यकता होती है। लोगों को स्टेशन और पॉडकास्ट की सामग्री या कार्यक्रमों के बारे में जागरूक करने के लिए एक रेडियो स्टेशन के प्रोग्रामिंग डिवीजन को नवीन विचारों के साथ आना चाहिए। चैनल जनता के मनोरंजन और प्रतिभाग करने के लिए नए तरीकों और खंडों के साथ आ सकते है। बच्चों के लिए ज्ञान आधारित प्रोग्रामिंग को उनकी भागीदारी से प्रसारित किया जाना चाहिए।

निष्कर्ष

प्रश्नावली और साक्षात्कार का उपयोग करके किए गए अध्ययन के अनुसार, सीएमएस सीआरएस 90.4 "सूचना, शिक्षा और मनोरंजन" पर ध्यान केंद्रित करने वाली प्रोग्रामिंग प्रदान करना चाहता है। चूंकि महिलाएं दुनिया की आधी से अधिक हैं, सीएमएस सीआरएस 90.4 के माध्यम से महिलायों को साक्षर बनाना महिला सशक्तिकरण की दिशा में पहला कदम है, और इसे सर्वश्रेष्ठ के रूप में दर्जा दिया गया है। यह महिलायों को समाज में अधिक समानता और आर्थिक शोषण और उत्पीड़न से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। सीएमएस सीआरएस 90.4 सूचना-शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा और यहां तक कि आर्थिक क्षेत्रों में अनुभव करने और अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया है।

सीएमएस सीआरएस 90.4 की पहुंच और श्रोताओं की एक बड़ी संख्या है और यह जरूरतमंद लोगों को ज्ञान और अनुभव प्रदान करने में सफल है। हालांकि, इसकी एक नकारात्म पहलू यह है कि लगभग 20% आबादी स्टेशन या प्रसारित सामग्री से अनजान है। यह अनुसंधान सीएमएस सीआरएस 90.4 के विकास का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है। सीएमएस सीआरएस 90.4 भी लोगों को सामने आने और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने की अनुमति प्रदान करता है।

सन्दर्भ सूची

1. Nirmala, Yalala. (2015). The role of community radio in empowering women in India. Media Asia. से प्राप्त किया गया।
2. Fairchild, Charles. (2001). Community Radio and Public Culture: Being an Examination of Media Access and Equity in the Nations of North America. New Jersey: Hampton Press.
3. Cleghorn, E. (2021). Unwell Women: A Journey Through Medicine And Myth in a Man-Made World. United Kingdom: Orion.
4. सिंह, डॉ. देवव्रत. (2009). भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया. नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन
5. श्रीवास्तवा**,** डॉ. साधना.(2016). महिला सशक्तिकरण में सिटी मांटेसरी स्कूल लखनऊ के सामुदायिक रेडियों की भूमिका का विश्लेषण**,** भाषा**,** साहित्य और मानविकी **, Vol.1(2)** जून **2016,**पृष्ट संख्या-**8 -14**
6. कुमार**,** मनोज. (2016). कम्युनिटी रेडियो. दिल्ली : आलेख प्रकाशन.
7. नंदा**,** वर्तिका**. (**सं.) (2017). भारत में रेडियो पत्रकारिता. दिल्ली: कनिष्का प्रकाशन**.**
8. कपूर, निमिष. (जून, 2021). आत्मनिर्भर गावों के लिए सामुदायिक रेडियो . कुरुक्षेत्र (हिंदी), पृष्ठ सं. 29.